विषय–पालि

कक्षा–10

इसमें 70 अंकों की लिखित परीक्षा तथा 30 अंकों का विद्यालय स्तर पर प्रोजेक्ट कार्य होगा।

पूर्णांक 100

1–गद्य–पालि–जातकावलि पाठ 8 से 14 तक **15**

(क) दो अवतरणों में से किसी एक अवतरण का सन्दर्भ सहित हिन्दी में अनुवाद 2+8=10

(ख) किन्हीं दो जातकों में से किसी एक जातक की कथा हिन्दी अथवा अंग्रेजी में 05

2–पद्य–धम्मपद–पण्डित बग्गों दण्ड बग्गों तक (पाठ 6 से 10 तक)– **15**

(क) दो गाथाओं में से किसी एक गाथा का हिन्दी अनुवाद 05

(ख) दो बग्गों में से किसी एक बग्गों का हिन्दी अथवा अंग्रेजी में सारांश 05

(ग) धम्मपद का पाठ 6 से 10 के अतवर्ती गाथा का लेखन जो प्रश्न–पत्र में न आया हो 05

3–अपठित–गद्य–निर्धारित पाठ (वेदब्भजातकं, राजोंवादजातकं) **05**

मखादेव–जातकं (सन्दर्भित ग्रन्थ पालि जानकावलि)

4–सहायक पुस्तक सिगालवादसुत्तं– **10**

(क) दो अवतरणों या गाथाओं में से किसी एक का हिन्दी अनुवाद 05

(ख) सिगालवादसुत्तं–की विषय वस्तु, निदान कथा, मित्र के गुण 05

अमित्र के लक्षण आदि पर आधारित सामान्य प्रश्न

5–व्याकरण 3+2+5+5=15

(क) शब्द रूप–पुलिंग त्र मुनि, भिक्खु

स्त्री लिंग त्र लता, इस्थी, धेनु

नपुंसक लिंग त्र आयु पोत्थक

(ख) धातु रूप–भविष्यत् काल, लोट लकार

भू, हस, वद, चज, दिस, नम, सर के रूप

(ग) संधि–व्यंजन सन्धि

व्यंजन दीघरस्सा, सरम्हाद्वेवदे, चतुत्थदुतिये स्वेतं ततियपठमा

(घ) समास–कर्मधारय समास, द्वन्द्व समास की सामान्य परिभाषा तथा उदाहरण

6–अनुवाद–हिन्दी के तीन वाक्यों का वर्तमान एवं भविष्यत् कालिक क्रिया में अनुवाद 05

अथवा

निबन्ध–पालि भाषा में छः सरल वाक्यों में किसी एक पर निबन्ध–

कुसीनारा, बोध गया, पालि भाषा, राजा असोकी, बुद्ध धम्मों, इसिपतन

7–पालि साहित्य का इतिहास संक्षिप्त परिचय–– 05

द्वितीय संगीति, तृतीय संगीति, विनयपिटक एवं अभिधम्मंपिटक के ग्रन्थ तथा इनका परिचय–

निर्धारित पाठ्यपुस्तकें––

(I) पालि जातकावलि– पं0 बटुक नाथ शर्मा
प्रकाशक–मास्टर खेलाड़ी लाल एण्ड सन्स, वाराणसी।

(II) पद्य–धम्मपद– सम्पादित–धर्म भिक्षु रक्षित,
प्रकाशक–मास्टर खेलाड़ी लाल एण्ड सन्स, वाराणसी।

(III) सिगालवादसुत्तं–– अनुवादक–लल्लन मिश्र, सम्पादक–भिक्षुसिननायक,
प्रकाशक–अखिल भारतीय युवाबौद्ध परिषद् कुशीनगर।

(III) सिगालवादसुत्तं– अनुवादक–डा0 भिक्षु स्वरूपानन्द, सम्यक् प्रकाशन दिल्ली, 2010

(IV) व्याकरण–

(क) पालि प्रवेशिका– लेखक–आद्यदत्त ठाकुर एम0ए0–प्रकाशक–पुस्तक माला, लखनऊ।

(ख) पालि व्याकरण– लेखक–भिक्षुकधर्म रक्षित, प्रकाशक–ज्ञानमण्डल लिमिटेड, वाराणसी।

(ग) मैनुअल आफ पालि– लेखक–सी0सी0 जोशी, ओरियन्टल बुक एजेन्सी, पूना।

(घ) पालि व्याकरण एवं पालि साहित्य का इतिहास– लेखक–राज किशोर सिंह, प्रकाशक–विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा।

(ङ) पालि महा व्याकरण– भिक्षु जगदीश कश्यप, एम0ए0, प्रकाशक–महाबोधि सारनाथ, वाराणसी।

(च) पालि साहित्य का इतिहास– लेखक–डा0 कोमल चन्द जैन, प्रकाशक–विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।

<u>शैक्षिक सत्र 2023–24 हेतु आन्तरिक मूल्यांकन</u>

1–प्रथम आन्तरिक मूल्यांकन परीक्षा– (मौखिक अभिव्यक्ति आधारित परीक्षा)	**अगस्त माह**	**10 अंक**
2–द्वितीय आन्तरिक मूल्यांकन परीक्षा–(रचनात्मक लेखन आधारित परीक्षा)	**दिसम्बर माह**	**10 अंक**
3–चार मासिक परीक्षाएं		**10 अंक**

- प्रथम मासिक परीक्षा (बहुविकल्पीय प्रश्नों (MCQ) के आधार पर) मई माह
- द्वितीय मासिक परीक्षा (वर्णनात्मक प्रश्नों के आधार पर) जुलाई माह
- तृतीय मासिक परीक्षा (बहुविकल्पीय प्रश्नों (MCQ) के आधार पर) नवम्बर माह
- चतुर्थ मासिक परीक्षा (वर्णनात्मक प्रश्नों के आधार पर) दिसम्बर माह

चारों मासिक परीक्षाओं के प्राप्तांकों के योग को 10 अंकों में परिवर्तित किया जाय।